विश्व पर्यावरण दिवस

भूमिका :- विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर साल 5 जून को मनाया जाता है ताकि पर्यावरण की रक्षा के लिए जागरूकता बढ़ाई जा सके और कार्रवाई का आह्वान किया जा सके। आए दिन समुद्री प्रदूषण, अतिवृष्टि और वन्यजीवों के खिलाफ अपराधों जैसे पर्यावरण को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर जागरूकता बढ़ती है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- वर्ष 2020 की विश्व पर्यावरण विषय 'जैव विविधता' है।
- विश्व पर्यावरण दिवस की स्थापना संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1972 में मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम सम्मेलन के पहले दिन की गई थी।
- विश्व पर्यावरण दिवस पहली बार 1974 में मनाया गया था और इसने नागरिकों, व्यवसायों और विभिन्न सरकारों को पर्यावरण संरक्षण के कार्य में लगा रखा है।
- प्रत्येक वर्ष अलग-अलग देश विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी करते हैं, और इसे 2020 में जर्मनी के सहयोग से कोलंबिया द्वारा आयोजित किया जाता है।
- कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण इस वर्ष यह दिवस आभासी रूप में मनाया गया।
- ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राजील जैसे विभिन्न देशों में महामारी, टिड्डियों के प्रकोप और बुशफायर के प्रकोप जैसी हालिया घटनाओं ने पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न हिस्सों पर मनुष्यों की निर्भरता को दर्शाया है।
- हम अपने आस-पास जो जैव विविधता देखते हैं, वह जमीन और पानी पर सभी जीवन का आधार है। यदि पर्यावरण के तत्वों में से एक प्रभावित होता है, तो पूरा पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है, जिसके विनाशकारी और नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं।

विश्व बैंक ने वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट 2020

भूमिका :- विश्व बैंक ने हाल ही में ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स रिपोर्ट, 2020 जारी की। इस रिपोर्ट में देशों पर COVID-19 के प्रभाव पर प्रकाश डाला गया।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- इस रिपोर्ट में कहा गया है कि उभरते हुए बाज़ार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं अत्यधिक हैं। वे स्वास्थ्य संकट, प्रतिबंध, पर्यटन, गिरते व्यापार, पूंजी के बहिर्वाह और कमोडिटी की कीमतों का सामना कर रहे हैं।
- इस रिपोर्ट के अनुसार इन देशों में 3% से 8% उत्पादन में नुकसान होने की उम्मीद है।
- इस वर्ष COVID-19 के कारण लगभग 60 मिलियन लोगों को अत्यधिक गरीबी और धकेला जा सकता है। मंदी के कारण वित्तीय संकट संभावित उत्पादन को लगभग 8% कम कर देगा।
- यह रिपोर्ट निम्नलिखित सिफारिशें करती हैं-
  - यह रिपोर्ट बेहतर नीति विकल्प बनाने का सुझाव देती है। इसमें अधिक खुला पारदर्शिता, नकदी का विस्तार और डिजिटल कनेक्टिविटी में तेज प्रगति शामिल हैं।
  - स्वास्थ्य आपात स्थितियों को संबोधित करने के साथ-साथ दीर्घकालिक बढ़ावा देने की नीतियों पर भी विचार किया जाना चाहिए। इसमें व्यवसाय के लिए माहौल में सुधार, शिक्षा के परिणामों में वृद्धि और शासन में सुधार शामिल हैं।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2018-19

भूमिका :- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ने जून 2019 में समाप्त होने वाली आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) पर त्रैमासिक रिपोर्ट शुरू की है और यह सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। एनएसओ की यह दूसरी वार्षिक रिपोर्ट है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- पीएलएफएस को एनएसओ द्वारा अप्रैल 2017 में अधिक नियमित समय अंतराल पर श्रम बल डेटा की उपलब्धता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए लॉन्च किया गया था।

- PLFS के दो मुख्य लक्ष्य :-

  (01) वर्तमान साप्ताहिक स्थिति मे केवल शहरी क्षेत्रों के लिए तीन माह के अल्पकालिक अंतराल पर प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों (अर्थात श्रमिक-जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर, बेरोजगारी दर) का अनुमान लगाना।

  (02) प्रति वर्ष ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस + एसएस) और सीडब्ल्यूएस दोनों में रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों का अनुमान लगाना।

- प्रथम वार्षिक रिपोर्ट (जुलाई 2017 - जून 2018) जो कि मई 2019 में जारी की गई। जिसमें ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही क्षेत्रों को कवर किया गया और जिसमें सामान्य स्थिति (पीएस + एसएस) तथा वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) दोनों में रोजगार व बेरोजगारी के सभी महत्वपूर्ण मापदंडों के अनुमान दिए गए।

- इस रिपोर्ट के तहत, ग्रामीण और शहरी ब्लाक क्रमशः ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रथम चरण के नमूने इकाइयों (FSU) के रूप में ली जाने वाली सबसे छोटी क्षेत्र इकाइयाँ है।

- Pankaj Badiya.